ISSN No. (E) 2455 - 0817
ISSN No. (P) 2394 - 0344
RNI : UPBIL/2016/67980
VOL-3* ISSUE-11*(Part-2) February 2019
Monthly / Bi-lingual

Multi-disciplinary International Journal

Remarking
An Analisation

Peer Reviewed / Refereed Journal

Impact Factor (2015)
GIF = 0.543

Impact Factor (2018)
IIJIF = 6.134

Indexed-with Google scholar

Impact Factor (2018)
SJIF = 6.11

Scanned with CamScanner

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
RNI No.UPBIL/2016/67980
VOL-3* ISSUE-11*(Part-2) February 2019
Remarking An Analisation

Contents

S.No.	Particulars	Subject	Page No.	
			From	to
1.	**गुप्त एवं हर्षकाल में महिलाओं की दशा : चीनी यात्रा वृत्तांतों के विशेष विवरण के आधार पर एक विश्लेषण** श्रीराम शर्मा, जयपुर, राजस्थान, भारत	इतिहास एवं भारतीय संस्कृति	H-01	H-04
2.	**भारत में उच्च शिक्षा व्यवस्था : गुणात्मक विकास एवं चुनौतियाँ और पंडित मदनमोहन मालवीय के शिक्षा पर विचार** नवीन जैन एवम् सारिका शर्मा, महेन्द्रगढ, हरियाणा, भारत	शिक्षा	H-05	H-06
3.	**हिन्दी काव्य–ग्रन्थों की प्राणाधार प्रकृति एवं बदलता पर्यावरण** निधि शर्मा, मथुरा, उ.प्र., भारत	हिन्दी	H-07	H-11
4.	**कबीर काव्य की ज्ञानात्मक संवेदना** वीरेन्द्र भारद्वाज, दिल्ली, भारत	हिन्दी	H-12	H-16
5.	**हिन्दी कहानियों के माध्यम से वर्तमान समाज एवं बदलते दाम्पत्य सम्बन्ध** अभयवीर, धौलपुर, राजस्थान, भारत	हिन्दी	H-17	H-20
6.	**'ऐ लड़की' – अनुभवों की सम्पूर्ण अभिव्यक्ति अम्मू** दीप नारायण चौहान, मिदनापुर, कोलकाता, भारत	हिन्दी	H-21	H-23
7.	**भारत में धर्म व साम्प्रदायिकता का बदलता स्वरूप** मोनिका गौतम, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत	समाजशास्त्र	H-24	H-27
8.	**भारत में सबके लिए स्वास्थ्यः मुद्दे और चुनौतियां** अनुभा श्रीवास्तव, नैनी, प्रयागराज, उ.प्र., भारत	राजनीति विज्ञान	H-28	H-31
9.	**राजस्थानी लोक साहित्य में संस्कृत साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययनः प्रमुख विद्वान एवं उनके साहित्यिक ग्रन्थ** एकता, ,जोधपुर, राजस्थान, भारत	इतिहास	H-32	H-35
10	**बुन्देलखण्ड के वनांचल में अधिवासित आदिवासियों का शैक्षणिक परिदृश्य** स्वामी प्रसाद एवम् शक्ति गुप्ता, हमीरपुर (उ0प्र0) भारत	राजनीति विज्ञान	H-36	H-38
11.	**रामदरश मिश्र का व्यक्तित्व और कृत्तित्व** अनिता मीणा, जयपुर, राजस्थान, भारत	हिन्दी विभाग	H-39	H-42
12.	**राजस्थान की जनजातियों की समस्याएँ एवं समस्या समाधान** राजीव कुमार मीना, जयपुर, राजस्थान, भारत	भूगोल	H-43	H-46
13.	**उत्तर प्रदेश के सरयूपार मैदान के तराई में जनसंख्या वृद्धि का स्थानिक एवं कालिक विश्लेषण** प्रभात कुमार तिवारी एवं कौस्तुभ नारायण मिश्र, कुशीनगर, उ.प्र., भारत	भूगोल	H-47	H-53
14.	**अलवर जिले में भूमि उपयोग प्रतिरूप : एक तुलनात्मक अध्ययन (2007–08 से 2016–17 तक)** रामचन्द्र स्वामी, अलवर, राजस्थान, भारत	भूगोल	H-54	H-59
15.	**मूल्यांकन पर विभिन्न आयोगों व समितियों की संस्तुतियाँ** मोनिका भादविया, उदयपुर, राजस्थान, भारत	शिक्षा शास्त्र	H-60	H-62
16.	**हिन्दी तोड़ने वाली नहीः जोड़ने वाली भाषा है** सुशील कुमार, धारवाड़, कर्नाटक, भारत	हिन्दी	H-63	H-65

Scanned with CamScanner

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
RNI No.UPBIL/2016/67980
VOL-3* ISSUE-11*(Part-2) February 2019
Remarking An Analisation

गुप्त एवं हर्षकाल में महिलाओं की दशा : चीनी यात्रा वृत्तांतों के विशेष विवरण के आधार पर एक विश्लेषण

श्रीराम शर्मा
शोधार्थी,
इतिहास एवं भारतीय संस्कृति विभाग,
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर, राजस्थान, भारत

सारांश

गुप्त एवं हर्षकालीन महिलाओं की दशा पर चीनी यात्री फाहियान, ह्वेनसांग आदि एवं भारतीय ग्रंथकारों ने पर्याप्त विवरण उपलब्ध कराया है। इनसे उच्च एवं निम्नवर्गीय महिलाओं की जीवनदशा से संबंधित जानकारी प्राप्त होती है। हर्ष एवं गुप्त काल में जहाँ उच्चवर्गीय महिला की जीवन दशा उच्चस्तरीय थी, वहीं निम्नवर्ग से संबंधित महिला की जीवनदशा निम्नस्तरीय थी। चीनी यात्रियों ने अपने भारत भ्रमण के दौरान महिलाओं की दशा पर आँखों देखा हाल लिखा है। वहीं भारतीय ग्रंथों में महिलाओं से सम्बन्धित नियम, उपनियम, विधि, निषेधों का वर्णन किया गया है। शासकीय परिवारों से संबंधित राज्यश्री एवं प्रभावती गुप्ता शासन संचालन में भाग लिया करती थी। ये शासकीय महिलायें विधवा होने पर भी राजसी जीवन जीया करती थी वहीं आम विधवा महिला का जीवन नारकीय था। आम जीवन में पर्दा प्रथा का अभाव था। महिलायें धार्मिक जीवन भी व्यतीत करती थी। पुत्र की अपेक्षा पुत्री का जन्म दुःख का कारण माना जाता था। इस प्रकार उच्च एवं निम्न वर्ग की महिलाओं की जीवन दशा में काफी अंतर था।

मुख्य शब्द : अंतःपुर, सती, पर्दाप्रथा, गणिका, आम्रपाली, गुप्तकाल, हर्षकाल, ग्रहवर्मा।

प्रस्तावना

चीनी यात्री फाहियान, ह्वेनसांग, इत्सिंग आदि ने भारत भ्रमण करते हुए महत्वपूर्ण विवरण उपलब्ध कराया है। फाहियान ने गुप्तकाल में (399–414 ईस्वी), ह्वेनसांग ने हर्षकाल में (629–647 ईस्वी) तथा इत्सिंग ने सातवीं सदी में भारत यात्रा की। इन्होंने भारत में महिलाओं की दशा का वर्णन किया है। समकालीन भारतीय ग्रंथों कादम्बरी, हर्षचरित, अभिज्ञान शाकुन्तलम, याज्ञवल्क्य स्मृति एवं अन्य ग्रंथों में भी महिलाओं संबंधी वर्णन प्राप्त होता है। स्त्रियों की दशा वह मापक है जिसके द्वारा किसी समाज की वैज्ञानिकता एवं विकासशीलता के बारे में ज्ञात किया जा सकता है। यद्यपि गुप्तकाल एवं हर्षकाल में सामाजिक गठन पितृसत्तात्मक था किन्तु स्त्रियों की दशा पतित नहीं थी। गुप्तकाल से हर्षकाल तक परिवार सामाजिक जीवन की इकाई ही नहीं, बल्कि समाज की आधारशिला थे। जन्म से लेकर मृत्यु तक सारी अवस्था पारिवारिक संगठन के अन्तर्गत ही संचालित होती थी। महिला माता, पत्नी, बहिन, पुत्री के रूप में समाज में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। परिवार पुरूष प्रधान अवश्य थे लेकिन महिला परिवार की धुरी थी।

अध्ययन का उद्देश्य

चीनी यात्रियों के यात्रावृत्तांतों एवं समकालीन भारतीय ग्रंथों में उल्लिखित महिलाओं की दशा पर विवरण के आधार पर गुप्त एवं हर्षकाल में महिलाओं की दशा का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण प्रस्तुत करना ही इस शोधपत्र का मुख्य उद्देश्य रहा है। इस शोध पत्र का उद्देश्य यह पड़ताल करना भी है कि क्या चीनी यात्रियों के यात्रावृत्तांतों में महिलाओं की दशा पर प्रस्तुत विवरण एवं समकालीन भारतीय ग्रंथों में प्रस्तुत विवरण में समानता है अथवा वैभिन्यता है अथवा परस्पर विपरीत विवरण प्रस्तुत करते हैं। इस प्रकार गुप्तकाल एवं हर्षकाल में महिलाओं की दशा पर निष्पक्ष मूल्यांकन प्रस्तुत करना प्रमुख उद्देश्य रहा है।

साहित्यावलोकन

आर.सी. मजूमदार की पुस्तक "द क्लासिकल अकाउण्ट्स ऑव इण्डिया" में यात्रा वृत्तांतों के आधार पर भारत की सामाजिक–सांस्कृतिक दशा पर भी विवरण दिया गया है, के.सी. खन्ना की पुस्तक "भारत में विदेश यात्री" में भी विदेशी यात्रियों का महिला सम्बन्धित विवरण प्रदान किया गया है। डॉ. उर्मिला प्रकाश मिश्र ने "प्राचीन भारत में नारी" सम्बन्धित विवरण प्रदान किया है, डॉ. अन्विता आनंद ने "गुप्तकाल में नारियों की स्थिति" में महिलाओं की दशा से सम्बन्धित विवरण दिया है। जयशंकर मिश्र की पुस्तक "प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास" में भी प्राचीन भारत में महिलाओं की दशा पर विवरण प्रदान किया गया है। यद्यपि इन पुस्तकों में प्राचीन भारत में महिलाओं की दशा से सम्बन्धित विवरण प्रदान किया गया है तथापि इनमें

Scanned with CamScanner